हिन्दुस्तान

बुधवार, 14 जुलाई 2010 नई दिल्ली नगर आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी विक्रम संवत 2067 वर्ष 75 अंक 166 18 पेज+ 4 पे

मंदी के दौर में जब हर जगह नौकरी की मारामारी चल रही थी तो इसे संभालने में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज जब हालात सुधर रहे हैं तो बैंकिंग में नए अवसर भी खुल रहे हैं। आने वाले समय के लिए तो यह भी कहा जा रहा है कि लाखों लोगों को इस फील्ड में मौका मिलेगा, लेकिन इसके लिए जरूरी होगा प्रोफेशनल बनना। आज सरकारी बैंक हैं, इंश्योरेंस कंपनियां हैं, निजी बैंक हैं, इन सबमें ब्राइट फ्यूचर है। वहां करियर बनाने के लिए बहुत जरूरी है कि बैंकिंग फील्ड की बारीकियों को आप समझें। निजी बैंकों में आकर्षक सैलरी है तो वहां या तो एमबीए किए हुए व्यक्ति को पहला अवसर मिलता है या फिर बैंकिंग में लंबा अनुभव रखने वालों को। इन सबसे इतर ऐसे लोगों के लिए अवसर बचते हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र में बाकायदा प्रशिक्षण लिया हो। जाहिर है प्रशिक्षित व्यक्ति ही साक्षात्कार के समय जरूरी बातों को बता सकता है, जिस अफसर से रू-ब-रू हो रहा है, उसकी तमाम इच्छाओं को फुलफिल कर सकता है। योग्यता हो, हौसला हो तो डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के बाद युवाओं के लिए इसमें बहुत संभावनाएं हैं।

बैंकिंग सेक्टर

प्लान बनाएं और एंट्री करें

बैंकिंग में जब करियर की बात आती है तो सबसे पहले दिक्कत यह होती है कि आखिर कहां से ऐसा प्रशिक्षण लें कि जानकारी के आकाश में खुद को ज्यादा विस्तार दे सकें। जहां के डिप्लोमा का कोई अर्थ हो, जो बारीकियों को समझा सके। क्योंकि बैंकिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हर वर्ग और हर व्यक्ति का सामना होता है। दूसरी अहम बात यह कि इन दिनों पब्लिक और प्राइवेट, दोनों सेक्टर के बैंक काफी संख्या में रिक्तियां निकाल रहे हैं। दरअसल, पब्लिक और प्राइवेट बैंक अपनी सेवाओं को विस्तार देना चाहते हैं।

जग जाहिर है कि देश की अर्थव्यवस्था में भी बैंकों की बड़ी भूमिका है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस फील्ड में न सिर्फ वाणिज्य और अर्थशास्त्र पढ़े लोगों को जगह मिलती है, बल्कि किसी भी संकाय के अभ्यर्थी काम कर सकते हैं। उदारीकरण के इस दौर में तो इसका फलक और विस्तृत हुआ है। करियर के नए अवसर पनपे हैं।

अवसरों की भरमार

आज कौन नहीं जानता कि एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, एचएसबीसी और अन्य तमाम बैंकों ने युवाओं के लिए ढेरों अवसर तैयार किए हैं। अवसरों की भरमार बढ़ी है तो इसी लिहाज से प्रोफेशनल्स की मांग भी बढ़ी है। बाजार में करियर के दोराहे पर खड़े युवाओं को मांझने के लिए अब सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा जैसे कुछ प्रोफेशनल कोर्स शुरू हुए हैं। ये कोर्स प्राइवेट बैंकों में करियर की राह आसान तो करते ही हैं, सरकारी बैंकों में भी पीओ, क्लर्क, आरबीआई ऑफिसर्स की तैयारी कर रहे छात्रों को भी बैंकिंग की बारीकियां जानने का मौका देते हैं।

इस फील्ड के विस्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों की 67 हजार शाखाएं काम कर रही हैं। अनुमान है कि 2040 तक भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बैंकिंग हब बन जाएगा। सरकारी बैंकों ने फिलहाल 40 हजार नई रिक्तियों की घोषणा की है, उसी के साथ खबर यह भी है कि अगले साल तक तकरीबन 40 हजार लोग रिटायर भी हो जाएंगे। दूसरी तरफ निजी बैंकों में भी इतना विस्तार हो रहा है कि इनमें तकरीबन डेढ़ लाख लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। आज बैंकिंग सेक्टर में 8 लाख 52 हजार लोग काम कर रहे हैं। बैंकों में मांग की इस पूर्ति के मसले से इतर भी आज डिप्लोमा कोर्स की जरूरत इसलिए भी आन पड़ी है कि कई बैंक भी अपने कर्मचारियों को इसका मौका देते हैं। उनसे ज्यादा जानकारी के लिए ऐसे सर्टिफिकेट कोर्स की मांग करते हैं। प्रमोशन के लिए भी ऐसे प्रमाणपत्रों की जरूरत होती है।

अवसर अन्य तरह के भी

अब बैंक सिर्फ पैसों के लेन-देन को लेकर नहीं रह गए हैं, यानी बैंकिंग में सामान्य काम पैसा जमा करना, निकालना और ड्राफ्ट बनाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नए सोपान भी जुड़ गए हैं। ये हैं सरल क्रेडिट, कॉर्पोरेट क्रेडिट, प्रोजेक्ट फाइनेंस और कंज्यूमर क्रेडिट। 30 से अधिक सरकारी और करीबन 50 निजी बैंक व वित्तीय संस्थानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। इनमें अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक, मैक्स न्यूयॉर्क लाइफ, आईएनजी वैश्य, टाटा एआईजी, इंडिया बुल्स, बिरला सन लाइफ आदि में फाइनेंशियल मैनेजर, बैंक टेलर्स, बिल एंड अकाउंट कलेक्टर्स, लोन ऑफिसर्स जैसे जॉब मिल सकते हैं।

डिप्लोमा के लिए क्या है योग्यता

बैंकिंग एंड फाइनेंस में डिप्लोमा के लिए न्यूनतम योग्यता है 12वीं पास। यह कोर्स 12 माह का है। पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस में एडमिशन लेने के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है। इसके लिए आयु सीमा है 21-27 वर्ष।

कैसे मिलेगा दाखिला

इस क्षेत्र में काम जितना तेजी से होता है, उतनी ही जरूरत होती है चीजों को पकड़ने की क्षमता की, इसीलिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस के लिए प्रवेश एप्टीट्यूड टैस्ट और पर्सनल इंटरव्यू के आधार पर होता है। प्रवेश परीक्षा की अवधि 55 मिनट है। प्रवेश परीक्षा में इंग्लिश लैंग्वेज, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग और बेसिक चेकिंग पर बेस्ड प्रश्न पूछे जाते हैं। फिर बारी आती है इंटरव्यू की। इंटरव्यू पास करने के बाद उन्हें इंटर्नशिप, एजुकेशन लोन, रोजगार गारंटी की जानकारी दी जाती है। स्कूल ऑफ बैंकिंग (टीकेडब्ल्यूएस) के निदेशक अमित गोयल के मुताबिक डिप्लोमा या पीजी डिप्लोमा कोर्स बैंकिंग में करियर बनाने वालों के लिए एक प्लेटफार्म तैयार करता है। बैंकिंग के ज्ञान (ड्राफ्ट, अकाउंट, लोन) के अलावा बहुत सारी तकनीकी जानकारियों का पता इस कोर्स को करने के बाद चल पाता है।

खास कोर्स

कोर्स तो कई हैं, लेकिन फिलवक्त दो तरह के कोर्स अहम हैं डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस। वैसे छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स भी कराया जाता है। इस कोर्स का मकसद आधुनिक बैंकिंग, डोमेन टेक्नोलॉजी, एप्लीकेशन एवं कस्टमर सर्विस में दक्ष कराना है। प्लेसमेंट की जहां तक बात है, यहां उम्मीदवारों को एम्प्लायमेंट प्लान के तहत प्रवेश दिया जाता है। पार्टनर बैंक द्वारा कोर्स समाप्त होने के बाद उम्मीदवारों का चयन कर सीधे रोजगार दिया जाता है। निजी बैंकों और फाइनेंशियल कंपनियों में इनकी खूब डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
  वेबसाइट- www.ignou.ac.in
- गुरुगोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली,
  वेबसाइट- www.ipu.ac.in
- टीकेडब्ल्यूएस स्कूल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली
  वेबसाइट- www.instituteofbanking.org
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़,
  वेबसाइट- www.amu.nic.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस मुंबई
  वेबसाइट- www.iibf.org.in
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, पुणे, महाराष्ट्र
  वेबसाइट- www.nibm.com

फजले गुफरान